26/11/20

Class-IV

दान का हिसाब

1. राजसभा में गरीब, दुखी, विद्वान, सज्जन लोग क्यों नहीं आते थे?

उत्तर- राजसभा में गरीब, दुखी, विद्वान, सज्जन लोग इसलिए नहीं आते थे क्योंकि वहाँ पर इनका बिल-कुल सत्कार नहीं होता था।

2. पूर्वी सीमा के लोग भूखे-प्यासे क्यों मरने लगे?

उत्तर- पूर्वी सीमा के लोग अकाल से पीड़ित होने के कारण भूखे-प्यासे मरने लगे।

3. अकाल पीड़ितों की सहायता न करने पर क्या हुआ?

उत्तर- राजा द्वारा अकाल पीड़ितों की सहायता न करने पर सभी निराश होकर लौट गए।

4. अकाल का प्रकोप फैलने पर लोगों ने दूसरी बार क्या गुहार लगाई?

उत्तर- अकाल का प्रकोप फैलने पर लोगों ने दूसरी बार यह गुहार लगाई कि "दुहाई महाराज! आपसे ज्यादा कुछ नहीं चाहते, सिर्फ दस हजार रुपए हमें दे दें तो हम आधा पेट खाकर भी जिंदा रह जाएँगे।"

5. राजा की बात सुनकर उपस्थित लोगों ने मन ही मन क्या सोचा?

उत्तर- राजा की बात सुनकर उपस्थित लोगों ने मन ही मन सोचा कि जरूरतमंदों की सहायता करना तो राजा का कर्तव्य है।

6. दो दिन बाद राजा से मिलने कौन आया?
उत्तर- दो दिन बाद राजा से मिलने एक बूढ़ा सन्यासी राजसभा में आया।

7. सन्यासी का भिक्षा लेने का तरीका क्या था?
उत्तर- सन्यासी जी कुल 20 दिनों तक भिक्षा लिया करते है। पर शर्त यह होती थी कि पहले दिन की भिक्षा को वे दूसरे दिन दुगुना लिया करते थे।

8. बीस दिनों तक दिए गए भिक्षा की कुल राशी कितनी थी?
उत्तर- सन्यासी जी को बीस दिनो तक दिए गए भिक्षा की कुल राशी दस लाख सड़तालीस हज़ार पांच सौ पिचहत्तर रुपए थे।

9. राजा, मंत्री एवं राजभंडारी के चिन्ता का क्या कारण था?
उत्तर- राजा, मंत्री एवं राजभंडारी के चिन्ता का यह कारण था कि अगर सन्यासी जी को बीस दिनों तक भिक्षा दिया गया तो राजकोष खाली हो जाएगा।

10. अंत में सन्यासी जी ने अकाल पीड़ितों के लिए कितने रुपए लिये?
उत्तर- अंत में सन्यासी जी ने अकाल पीड़ितों के लिए 50,000 रुपए लिये।